जनजाति आयुक्तालय ने की विशेष स्पोर्ट्स वर्कशॉप

विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए खेल जरूरी : भट्ट

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

उदयपुर. विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए खेल जरूरी है। ऑनलाइन वर्कशॉप के माध्यम से पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद के क्षेत्र में जनजाति प्रतिभाओं को प्रोत्साहित के साथ ही प्रशिक्षण देकर जनजाति विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्द्धा करवा कर उन्हें मोटिवेट किया जा सकता है।

यह बात सोमवार को संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने जनजाति आयुक्तालय की ओर से जनजाति छात्रावास,खेल छात्रावास, विद्यालय एवं मांबाड़ी केन्द्रों के विद्यार्थियों के लिए विशेष स्पोर्ट्स वर्कशॉप के आयोजन में अध्यक्षता करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में प्रवीण रहे विद्यार्थियों को विभाग की विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं में अवसर प्रदान किया जाए ताकि वे अपने हुनर का प्रदर्शन कर सके और आगे बढ़े।

विद्यार्थियों को ऑनलाईन प्रशिक्षण दें : भट्ट ने कहा कि कार्यशालाओं में स्मार्ट बोर्ड के माध्यम हम विशेषज्ञों को खेलों से जुड़ी रोचक एवं उपयोगी जानकारी दे सकते हैं जिसका लाभ विद्यार्थियों को मिले। विभाग से जुड़े सभी 120 स्थान जहां टीवी एवं अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध है, वहां विभिन्न दक्ष प्रशिक्षकों के माध्यम से ओलंपिक या अन्य खेलों से जुड़े वीडियो एवं सीडी, यूट्यूब आदि के माध्यम से खेल संबंधी उपयोगी जानकारी दे। उन्होंने हॉकी, कबड्डी, बेडमिंटन, तीरंदाजी आदि खेलों के बारे में प्रशिक्षण प्रदान करने की बात कही और कहा कि बच्चों के मानसिक विकास की दृष्टि से हम इसकी शुरूआत शतरंज से कर सकते हैं।

जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने कार्यशाला से जुड़े सभी विभागीय अधिकारियों.कार्मिकों एवं अन्य प्रशिक्षकों को कहा कि इन कार्यशालाओं का पूरा.पूरा लाभ हर उस विद्यार्थी को मिले जो खेल में विशेष रूचि रखता हो। उन्होंने कहा कि बच्चों को मोटिवेट करने वाले विभिन्न वीडियो बनाकर उन्हें प्रोत्साहित किया जाए, विभिन्न अवार्डेड खिलाड़ियों की जानकारी के साथ विभिन्न खेल उपलब्धियों, नियमों.प्रावधानों आदि की जानकारी विद्यार्थियों तक पहुंचाई जाएं।

जनजाति विद्यार्थियों के लिए विशेष स्पोर्ट्स वर्कशॉप में चर्चा करते संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट। पत्रिका

प्रशिक्षण सत्र में विभाग स्पोर्ट्स कंसलटेंट ममता शर्मा को प्रमाण पत्र प्रदान करते संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट। पत्रिका

कार्यशाला में दिया प्रशिक्षण

कार्यशाला में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की स्पोर्ट्स कंसलटेंट ममता शर्मा ने कार्यशाला में सम्मिलित समस्त संभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। इस ऑनलाइन प्रशिक्षण में जिला खेल अधिकारी शकील हुसैन सहित वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से ब्लॉक स्तर के अधिकारी व कार्मिक जुड़े रहे। कार्यशाला दौरान श्रेष्ठ सेवाओं के लिए टीएडी आयुक्त ने स्पोर्ट्स कंसलटेंट ममता शर्मा का अभिनंदन किया।

ग्रामीण ओलंपिक के लिए अधिकाधिक पंजीकरण हो

कार्यशाला दौरान जिला कलक्टर मीणा ने जिले की हर पंचायत पर कम से कम एक स्टेडियम निर्माण की प्रतिबद्धता जताई और कहा कि ग्रामीण ओलंपिक खेलों में जिले से अधिकाधिक पंजीकरण किया जावें। उन्होंने इसके लिए अभियान रूप में पुन: पंजीयन के निर्देश दिए और जिले को अव्वल बनाने को कहा। संभागीय आयुक्त भट्ट ने ग्रामीण ओलंपिक खेलों में टेलेंट सर्च के उद्देश्य से श्रेष्ठ खिलाड़ियों के विशेष चयन के निर्देश दिए और कहा कि इससे ऐसे चुनिंदा खिलाड़ियों को विशेष कोचिंग देना संभव हो पाएगा।

72 ने किया रक्तदान

वर्कशॉप • कलेक्टर का पंचायतों में स्टेडियम, ग्रामीण ओलिंपिक में पंजीकरण बढ़ाने पर जोर

जनजाति इलाकों में हो रहे शैक्षिक नवाचार, खेल प्रतिभाओं को भी कर रहे प्रोत्साहित : आयुक्त भट्ट

सिटी रिपोर्टर | उदयपुर

जनजाति आयुक्तालय की मेजबानी में जनजाति छात्रावास, खेल छात्रावास, विद्यालय एवं मां-बाड़ी केंद्रों के विद्यार्थियों के लिए विशेष स्पोर्ट्स वर्कशॉप हुई। अध्यक्षता संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने की। कलेक्टर तारचंद मीणा, शिक्षा विभागीय अधिकारी, शारीरिक शिक्षक एवं अन्य विभागीय अधिकारी व प्रशिक्षक कार्यशाला से जुड़े। संभागीय आयुक्त भट्ट ने कहा कि विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए खेल जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे नवाचारों से पढ़ाई के साथ खेलकूद के क्षेत्र में जनजाति प्रतिभाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। कार्यशाला में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की स्पोर्ट्स कंसलटेंट ममता शर्मा ने कार्यशाला में सम्मिलित संभागियों को प्रशिक्षण दिया। उन्होंने जनजाति विद्यार्थियों के संतुलित भोजन, पोषण की अपेक्षाओं व व्यक्तित्व विकास के साथ बच्चों व शिक्षकों के बीच ठोस संबंधों की अपेक्षाओं के बारे में बताया।

कार्यशाला को संबोधित करते संभागीय आयुक्त।

अधिकाधिक हो पंजीकरण : कलेक्टर मीणा ने जिले की हर पंचायत पर कम से कम एक स्टेडियम निर्माण की प्रतिबद्धता जताई और कहा कि ग्रामीण ओलिंपिक खेलों में जिले से अधिकाधिक पंजीकरण किया जाए।

स्मार्ट बोर्ड के जरिए दें खेलों की जानकारियां

अधिकारियों ने कहा कि इस कार्यशाला में स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से विशेषज्ञों खेलों से जुड़ी रोचक एवं उपयोगी जानकारी दे सकते हैं। इसका लाभ विद्यार्थियों को मिलेगा। विभाग से जुड़े सभी 120 स्थान, जहां टीवी एवं अन्य संसाधन हैं, वहां प्रशिक्षकों से ओलिंपिक या अन्य खेलों से जुड़े वीडियो-सीडी, यू-ट्यूब से खेल संबंधित जानकारी दे सकते है। कलेक्टर ने अधिकारियों-कार्मिकों एवं प्रशिक्षकों को कहा कि इन कार्यशालाओं का लाभ हर उस विद्यार्थी को मिले जो खेल में रुचि रखता हो।